

विश्व हिन्दू सम्पर्क

■ वर्ष - 2 ■ अंक - 4 ■ स्थान - मुंबई ■ 1 से 29 फरवरी 2012 ■ हिन्दी-अंग्रेजी ■ मासिक ■ मूल्य - 2 ■ पृष्ठ 8

Gen. Singh's birth date row

Antonia (Sonia) and Anthony, Don't Destroy the Indian Army

The more than a million strong Indian Army is considered as the best fighting force in the world. Drawn from among Hindus across the country with several millennia soldiering lineage, the Indian army upholds the finest traditions of khsatra dharma. Unlike the armies of the Christian and Muslim countries, our army is humane, thoroughly professional and truly secular. Each of its regiments is drawn from the finest fighting Hindus in the country. Our soldiers have distinguished themselves on all fronts and in peacetime time operations and in war.

While the Congress has let down the country throughout its rule, the Indian Army shines as a beacon of honesty, integrity, patriotism and national unity. While the Congress has looted this country, tortured its citizens in the name of Emergency (1975), orchestrated scam after scam, the Army has done the



General V. K. Singh

country proud While the Army won wars, the Congress leadership surrendered the war gains to the Islamic country of Pakistan. 1948, 1965 and 1071 are examples of this.

In 1948, while the Indian Army was on the threshold of driving away the Muslim invades in Kashmir, Nehru stopped it from doing so, declared ceasefire, went to



Nehru with Edwina Mountbatten, Light up Mam



Pak Army Surrenders at Dacca

the UN and allowed Pakistan to occupy more than half of Kashmir. In 1965, our brave soldiers were about to capture Lahore, but again, the Congress

government gave away the advantage. But the greatest betrayal of the Army and the country by the Congress government came in 1971 when Indira Gandhi signed off the gains to Zulfikar Ali Bhutto as part of the Simla Pact. Another major betrayal of the Indian Army was in

1962a, when the London Barrister called Nehru pushed our brave but ill-prepared, ill equipped brave patriotic soldiers into the jaws of death in the war with China.

The latest episode concerning the Army Chief's date of birth is something very shameful. A distinguished and very upright soldier like Gen. Singh is being meted out shabby treatment by the Italian immigrant lead Sonia Gandhi and her defence Minister A. K. Anthony and Law Minister Salman Khurshid.

The government has raised doubts about the integrity of this honest soldier questioning his date of birth/.

General Singh has all the documents about his correct date of birth, i.e. 1951, while the government, on the basis of some vague document says his date of birth is 1950. No upright man, not least of all an honest, patriotic soldier like General Singh can stomach this insult to his integrity.

Contd. on pg. 2...



Maj. Shaitan Singh, hero of the 1952 China war

Indo-Russian Christian conspiracy to Ban the Bhagavad Geeta

The anti Hindu Christian crusaders in India and their mentors abroad are at it once again

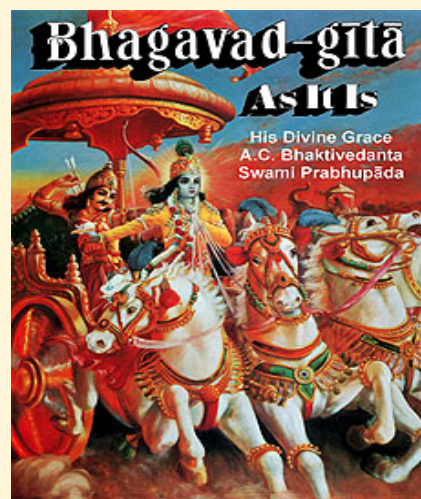
If Christians in the West catch a cold, their Indian co religionists catch a cold.

An association of Indian Christians in Madhya Pradesh had approached the High Court to stop the teaching of the Bhagavad Geeta in the state. However, the learned judges of the High Court booted out their plea declaring that the Holy Gita is a book of Indian philosophy and cannot just be confined

to the Hindu religion. First it was an attempt by Christians in Russia's Siberian region who moved the court to ban the holy book. And now it is Christians in India's Madhya Pradesh who have made a similar move. Naturally, if western Christians sneeze, their Indian co religionists catch a cold

While the barbarians in Europe and the Middle East were living like animals, covered in bark and skin, eating one another, violating one another's women, and residing on trees and in caves, India gave to the world one of the finest philosophies ever known to mankind. This great work was the Bhagavad Gita.

Even after the ancestors of the present European Christians emerged from their barbaric world of darkness



and ignorance, all they got was a Book that said, "Thou shalt and thou shalt not...". The Book taught them that what

was in the Book was the only truth. Nothing else existed.

When these barbarians landed on Indian shores they were confronted with a civilization far, far superior to their savage and backward society in terms of culture, thinking and philosophy. Nevertheless, mandated by King and Cross, they went about their dirty business of imposing their finite religious knowledge contained in their Book and converting people to their religion.

However, Hindu society founded on a bedrock of sound, scientific philosophy and teachings, an intelligent, intellectual and humane society that had surpassed the limits of human knowledge in every field was not easy to crack.

Contd. on pg. 8...



डॉ. प्रवीण तोगड़िया

22 दिसम्बर, को केन्द्र सरकार ने ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण में से 4.50 प्रतिशत मुस्लिमों को दिया है यह समाचार इतना सादा नहीं है। आजादी के बाद देश में 3 करोड़ मुसलमान रहे, उन्होंने समान नागरिक कानून और परिवार नियोजन का पालन नहीं किया और अपनी जनसंख्या 15 करोड़ बना ली है उनके आधार पर "मुस्लिम वोट बैंक" बनाकर सभी राजनैतिक नेताओं को घुटने टिकवाकर सभी जाति बिरादरी के हिन्दुओं की नौकरी, शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय, टैक्स में सरकार से आये हुए पैसे और अन्त में आरक्षित मतदाता संघ "Reserved Political Constituency" बनाकर अनेक पाकिस्तान बनाने का षड्यंत्र है। अभी जो मुस्लिम आरक्षण दिया है उनका आधार "राजेन्द्र सच्चर समिति" एवं "रंगनाथ मिश्र आयोग" का रिपोर्ट है। रंगनाथ मिश्र कमीशन ने निम्नलिखित सुझाव दिये हैं-

मुस्लिम ईसाइयों को शिक्षा में सहाय -

1. सभी शिक्षण संस्थाओं में 15 प्रतिशत आरक्षण।
2. उनके लिए प्रीमैट्रिक, मैट्रिक पोस्ट, मैट्रिक स्कालरशीप की व्यवस्था।
3. उनके रहने के लिए हॉस्टल की व्यवस्था
4. जगह-जगह पर पोलिटेकनिक कॉलेज, हाई स्कूल एवं कालेज खोलना।

ओ.बी.सी., एस.सी., एस.टी और ओपन मेरिट कॅटोगिरी से छीनकर मुसलमान और ईसाइयों को आरक्षण देना।

1. उन मुसलमान, ईसाइयों को पिछड़ा ओबीसी, एस.सी.,एस.टी. में मान लेना चाहिए जिनका व्यवसाय हिन्दुओं की अन्य जाति जैसा है। इस निर्णय से सभी मुसलमान ओ.बी.सी. की कॅटोगिरी में आ जायेंगे, ईसाई भी अनुसूचित जाति की कॅटोगिरी में आ जायेंगे। मुस्लिम-ईसाई, एस.टी, एस.सी. के कॅटोगिरी में आ जाएंगे।
2. ऐसे सभी मुसलमान-ईसाइयों को एस.सी, एस.टी., का आरक्षण का लाभ दिया जाय।
3. 1947 से पहले से आदिवासी क्षेत्र में रहने वाले मुस्लिम, ईसाइयों को अनुसूचित जनजाति आरक्षण का लाभ दिया जाय।
4. ईसाई-मुसलमानों में तथाकथित पिछड़ों को वह लाभ दिया जाय।
5. भारत के संविधान की आर्टिकल 16/(4) सिर्फ सामाजिक एवं शैक्षणिक पिछड़ा वर्ग को ही आरक्षण की अनुमति देता है। रंगनाथ मिश्र कमीशन ने कहा है कि संविधान में संशोधन करके सिर्फ पिछड़ा शब्द रखा जाय। सामाजिक पिछड़े के कारण आरक्षण सिर्फ एस.सी.,एस. टी, ओ.बी.सी. को ही मिल रहा है। अब यह आरक्षण सभी मुस्लिम, ईसाइयों के लिए जाएगा।
6. भारत के संविधान संशोधित करके अल्पसंख्यकों को 15 प्रतिशत आरक्षण देना।
7. मजहब के आधार पर 15 प्रतिशत मुसलमान और ईसाई को आरक्षण देने का सुझाव है। उसमें 6 प्रतिशत ओ.बी.सी. से देना और 9 प्रतिशत ओपन

सभी हिन्दू संगठनों के प्रमुखों को प्रवीणभाई तोगड़िया का संबोधन पत्र

मेरिट से दिया जाएगा।

व्यापार, धंधा, लोन जैसा आर्थिक सहयोग यह सुझाव के आधार पर सरकार ने अब तक जो कार्य किया है वह निम्न प्रकार है:-

01. आरक्षण- ओ.बी.सी. के 7 प्रतिशत आरक्षण कम करके 22 प्रतिशत कर दिया है। यह 22 प्रतिशत का लाभ मुसलमान लेंगे ही इसके उपरान्त 4.50 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण दे दिया है।
02. शैक्षणिक सहयोग-
 - (1) 490 कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय मुस्लिमों के लिए शुरू किये गये हैं।
 - (2) 374 मुस्लिम प्रभावी जिलों में कालेज शुरू हो रहे हैं।
 - (3) 36 जिलों में पोलिटेकनिक कॉलेज शुरू हुए हैं।
 - (4) 249 स्थानों पर मुस्लिम लड़कियों के लिए हॉस्टल शुरू किये गये हैं।
 - (5) 35 जगह वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर शुरू किये हैं।
 - (6) 72 लाख 900 हजार मुस्लिम छात्रों को स्कालरशीप दी गई है।
 - (7) 31 हजार 145 छात्रों को स्कालरशीप के लिए मौलाना आजाद फंडेशन को सरकार ने 700 करोड़ रूपया दिये हैं।
 - (8) मुसलमान छात्रों को 3 प्रतिशत ब्याज पर लोन दे रहे हैं।

आर्थिक सहयोग

देश के बैंकों को मुस्लिम एरिया में बैंक शुरू करने का दबाव बनाकर 2498 नई बैंक की शाखा खुली जा रही है। 25 जुलाई, 2007 के रिजर्व बैंक के सरकुलर के अनुसार सभी बैंकों को अनिवार्य रूप से मुसलमानों को लोन देने के लिए बाध्य किया गया है और इसके कारण 14.60 प्रतिशत लोन मुसलमानों को देकर 2007-08 के लिए एक ही वर्ष में 1 लाख 43 हजार 396 करोड़, 70 लाख रूपया का लोन दिया गया है।

5,87,088 मुस्लिम महिलाओं को 3,984 करोड़ रूपया दिया गया है। कोई हिन्दू बैंक में लोन लेने जायेगा तो 60 प्रतिशत ही लोन मिलेगी और 13 प्रतिशत ब्याज देना पड़ेगा। मुसलमान को वही बैंक 85 प्रतिशत लोन और 6 प्रतिशत ब्याज देना होगा। सरकार ने हाल में ही "माईनोरिटी फ़ईनेंस कारपोरेशन" ;डपदवतपजल थ्यददबम ब्वतचवतजपवदद बनाकर करोड़ों रूपया देकर मुसलमानों को कम ब्याज में पैसे देने के लिए बैंकों के अलावा भी अन्य व्यवस्था की है -

आगे क्या होगा

1. भारत का संविधान संशोधन करके मजहब के आधार पर 15 प्रतिशत आरक्षण देंगे, जिसके कारण ओ.बी.सी. से 6 प्रतिशत छीनेंगे और ओपन मेरिट से 9 प्रतिशत छीनेंगे।
2. अनुसूचित जाति के आरक्षण में ईसाई एवं मुसलमानों को सम्मिलित कर दिया जायेगा।
3. अनुसूचित जनजाति के क्षेत्र में 1947 से पहले रहने वाले मुसलमान, ईसाई, अनुसूचित जनजाति आरक्षण में सम्मिलित हो जायेंगे।
4. आज 1 लाख 43 हजार करोड़ मुसलमानों को दिया है, वह 10 लाख करोड़ से ज्यादा हो जाएगा।

परिणाम

1. आज एस.सी.,एस.टी.,ओ.बी.सी. को जो आरक्षण मिल रहा है इसमें मुसलमान ईसाई की

भागीदारी बढ़ जायेगी इसके कारण हिन्दू एस.सी.,एस.टी., ओ.बी.सी., बिना नौकरी, शिक्षा के कारण गरीब हो जाएगा।

2. शिक्षा में किसी भी जाति का हिन्दू छात्र प्रतिस्पर्द्धा नहीं कर पायेगा।
3. सस्ते ब्याज पर लोन लेकर व्यापार करने वाले मुसलमानों के सामने किसी हिन्दू का व्यापार नहीं टिकेगा।

कहते हैं कि मुसलमान गरीब है इसलिए उनको शिक्षा में, व्यवसाय में और नौकरियों में आरक्षण दो। मुसलमान हिन्दुओं के कारण गरीब है? एक से ज्यादा पत्नी अनेक बच्चे और मदरसों की शिक्षा लेने से मुसलमान गरीब है। मुसलमान ज्यादा बच्चा पैदा करके भारत में जनसंख्या बढ़ाकर देश पर कब्जा करने के लिए गरीब रहकर देश को भी गरीब बना रहा है। दो बच्चों में सीमित रहकर टैक्स भरकर देश का हिन्दू देश का विकास कर रहा है उस हिन्दू की नौकरी और शिक्षा छीनकर मुसलमानों को क्यों? भारत के संविधान ने स्पष्ट रूप से मजहब के आधार पर आरक्षण अमान्य किया है। आरक्षण सिर्फ हिन्दुओं की अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और अन्य जातियों को ही संविधान मान्य रखा है तो ओबीसी में मुसलमानों को आरक्षण क्यों? अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति में से ईसाई को आरक्षण क्यों? भारत का संविधान बदलकर ओपन मेरिट से आरक्षण क्यों?

आज मुसलमानों ने रोजगार और शिक्षा में आरक्षण मांगा, कल व्यापार में मांगेंगे, उद्योग में मांगेंगे, इस्लामिक बैंक एवं सरियत इंडेक्स भी शुरू कर दिया है। एक भी हिन्दू का व्यापार सुरक्षित नहीं रहेगा, एक भी हिन्दू का नौकरी सुरक्षित नहीं रहेगी। हिन्दुओं से रोटी, शिक्षा, बैंक कर्जों की सुविधाएँ आदि छीनने का यह सिलसिला यहां तक ही नहीं रुकेगा। मतों के लिए झुक-झुककर सरकार ने अब जो आरक्षण ओबीसी से छीनकर दिया है उससे उत्साहित होकर मुसलमानों ने अभी से उनकी महाभयंकर बढ़ी हुई आबादी के अनुपात में हर क्षेत्र में आरक्षण मांगना शुरू भी किया है! आरक्षित मतदाता संघ (ब्वदेजपजनमदबलद भी वे मांगेंगे, जहां कोई हिन्दू या अन्य उम्मीदवार खड़ा नहीं रह सकेगा- केवल मुसलमान उम्मीदवार! हिन्दू बहुल भारत में कई ऐसा मतदाता संघ किये जायेंगे जहाँ हिन्दुओं की आवाज कोई मायने नहीं रखेगी। ये मिनी पाकिस्तान नहीं, सम्पूर्ण पाकिस्तान ही बन जायेंगे, जो भारत में होने के कारण और भारत के बहुसंख्यों के रूपों पर पलकर भारत पर ही आर्थिक, सामाजिक और राजनीति जिहाद करेंगे। कल ये संसद में आरक्षण मांगेंगे और भारत की और भारत के हिन्दुओं की सुरक्षा दांव पर लग जायेगी। यह धोखा अभी से समझकर आज ही इन सब समस्याओं पर हम सबने मिलकर उपाय नहीं किए, तो ना हम रहेंगे ना कोई हिन्दू-तो फिर कहां से रहेंगे कोई जाति और उनके नेता। सरकार के प्रयास चल रहे हैं कि एक-एक जाति को दूसरे से तोड़कर, उन्हें अलग आरक्षण, पद आदि के झूठे लोलीपोप दिखाकर, हिन्दुओं को इकट्ठा ना होने दिया जाय। समय आ गया है कि यह षड्यंत्र सफल ना होने दें और भारत के तथा भारत से बाहर के सभी हिन्दू एक होकर इस धिनौनी आरक्षण नीति का विरोध करें।

हमारी मांग है

1. एक भी हिन्दू की रोजगार शिक्षा-अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, ओबीसी.ओपन मेरिट- मुसलमान ईसाइयों को नहीं देने देंगे।
2. ओबीसी के आरक्षण से 4.5 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण तुरन्त वापस लेकर सरकार जनता से माफ़े मांगे।

3. अनुसूचित जाति का आरक्षण ईसाइयों को नहीं देने का वचन दे।
4. अनुसूचित जनजाति के आरक्षण से ईसाइयों को दूर करो।
5. मुसलमानों में जाति नहीं है संविधान ने हिन्दू जातियों को ही आरक्षण दिया है तो मुसलमानों को जो तथाकथित जातियों को आज ओबीसी में आरक्षण मिल रहा है उनको भी लिस्ट से दूर करो।
6. रंगनाथ मिश्र कमीशन और राजेन्द्र सच्चर कमेटी के आधार पर गलत तरीके से मुसलमानों को गरीब दिखाकर हिन्दुओं के टैक्स से मुसलमानों को शिक्षा, नौकरी, लोन एवं आरक्षण देने वाले उपरोक्त दोनो रिपोर्ट अस्वीकार करो।
7. सरकार वचन दे कि संविधान में संशोधन के मुसलमानों को आरक्षण नहीं देंगे। सभी जाति बिरादरी प्रान्त और भाषा मानने वाले हिन्दुओं से मेरी प्रार्थना है कि हम सब एक मिलकर अपनी रोटी के लिए नहीं लड़ेंगे, तो हमारी रोटी भी चली जायेगी, बेटी भी चली जाएगी और देश जेहादियों के हाथ में चले जायेगा। और जब देश नहीं बचेगा तो हमारी कौन से जाति बिरादरी बचेगी? हिन्दुओं के सभी जाति बिरादरी के संगठन, सामाजिक धार्मिक संगठन मिलकर प्रस्ताव पारित करके मुस्लिम आरक्षण विरोध करें, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति को पत्र भेजें, हस्ताक्षर अभियान चलाओं, मुस्लिम आरक्षण का विरोध करते हुए करोड़ों पत्र प्रधानमंत्री को भेजें, ईमेल, एसएमएस, फेसबुक, ट्वीटर पर अभियान चलाओ, निषेध सभा करे, पंचायत से संसद में चुने हुए सदस्यों से मिलकर मुस्लिम आरक्षण का विरोध करने का दबाव बनाये। स्कूल कालेज के छात्रों को जागृत करे सब मिलकर प्रचंड जन आन्दोलन खड़ा करके मुस्लिम आरक्षण का विरोध करे। ऐसा पत्र डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने सभी वर्गों एवं समाजों के हिंदू संगठनों के प्रमुखों को संबोधन पत्र लिखा है.

Antonia (Sonia) and Anthony, Don't Destroy the Indian Army...

Contd. from pg. 1...

The General has moved the Supreme Court of India in this regard. And we are sure, the Supreme Court will rule in General Singh's favour

But, the entire episode will have an adverse effect on the morale of the army because Anthony and the Sonia led UPA have challenged the integrity of its chief. A soldier fights and dies for this country. He does so because of his professionalism, honesty, patriotism, honor and intergirity. Unlike the Congressmen, he is not a two faced monster, a Jekyll and hyde personality. Honor to him is everything. He lives for his honor and dies for his honor.

So, Sonia, Anthony and Salman, don't play with the morale of the Hindu soldier. You will thereby begin the destruction and disintegration of the Indian Army. Then Indian Army is not your communal vote bank for you to pay politics with. Leave the Army alone. You have destroyed Hindustan. Don't destroy the Indian Army.

Editorial

A question on this Republic Day - Have we become a Pasta Republic ?

What a great day it was for all of us when Indian was declared a republic many years ago. I was a child then and I remember riding on an open truck along the brilliantly and colorfully lit streets of Mumbai. It was a heady intoxicating day with Prabhat feris across Mumbai, the national flag flying and all public and private buildings adorned in a myriad sparkling colored electric bulbs.

Dr. Rajendra Prasad one of the corner stones of India's freedom movement was the new President of the country. He made quite a handsome president with his intelligent wise appearance and dignified bearing. It was a pleasure to hear his broadcast on the All India Radio. It is another story that a London educated barrister called Nehru backstabbed him into oblivion.

Nothing can match the thrill of the country's first R-Day celebrations. Nevertheless, one illustrious Indian after another became President in succession. After Rajendrababu, it was Dr. Sarvaapalle Radhkrishnan followed by a host of towering personalities like, V.V. Giri, Dr. Zakir Hussain, Fakdhruddin Ali Ahamed, Dr. Sanjeeva Reddy and Dr. APJ Abdul Kalam.

However, dirty Congress politics reared its head. The presidency became a tool in the hands of the Nehru Gandhi dynasty to manipulate things in its favor to remain in power. We all know the sordid happenings during the Emergency when the President was bulldozed by the Italian immigrant's mother in law, Indira Gandhi to impose Emergency. The President became a mere rubber stamp of the dynasty.

Politicians of all hues with not very impressive cvs were elevated to the Presidency of the country. And they continued to be used by the Dynasty.

Things became worst with the ascendancy of the Pasta matron, the Italian immigrant Sonia Gandhi. The Indian Republic in its 62 year old history has never sunk to as low a depth as it has now.

The functioning of the Republic has been reduced to a farce by this woman of Italian origin with her son and her comrades in arms like Salman Khurshid, Digvijaya Singh, Chidambaram, A.K. Anthony, Ambika Soni, Kapil Sibal and Abhishek Manu Singhvi. The sanctity of our most hallowed institution the Parliament has been violated. Corruption involving the Pasta Madam's minions has drained the country of several lakhs of crores, of rupees., Madam's minions treat the country as their ancestral property dipping their dirty hands into the country's coffers, robbing you and me of our hard earned money. Even today over 65% of Indians cannot afford a square meal a day.

Scandals and more scandals surface every day. Compared to the present day scandals, the Bofors scam was almost kindergarten stuff. CWG, 2G, Air India, Natural Gas are only some of the largest scams that have come to the surface.

Running parallel with these scams are attacks on Hindu saints like Baba Ramdev, the ill-treatment and harassment of Anna Hazare, the humiliation of Army Chief General Singh and an almost free licence for foreign missionaries to convert Hindus at will. Encouragement of minorities through unconstitutional sops and facilities, keeping jihadi butchers like Afzal Guro in jail without hanging him, sympathising with the Batla House terrorists in Azamgarh and open support of all kinds to them makes one wonder about the future of the Hindus of this country.

We have heard about the term Banana Republic. But under the Italian immigrant Sonia Gandhi, India is on the way to becoming a Pasta Republic.. She rules the Congress with the iron hand of a dictator. She rules the country through a puppet Prime Minister and his team packed with her slavish lackeys. Her word is law. And now she is grooming her half Italian son to be the country's next Prime Minister. These things are common in Banana Republics. But they are worse in India because, Sonia has converted India into a Pasta Republic.

In all this, however, the country's Supreme Court shines as a beacon of hope.

Madras High Court says Puja in Govt. Offices won't hurt secularism

A Subramani, TNN Jan 18, 2012, 09.03AM IST

CHENNAI : Is conducting Ayudha Puja or Saraswathi Puja in government offices a non-secular activity deserving to be banned?

'No', the Madras high court has ruled. "Showing respect to the place of work and the objects of work will in no way offend the feelings of others or affect secularism. Ayudha

Puja is referable to prayer, reverence or respect given to objects through which an individual performs his profession or occupation. Ayudha Puja in its real terms transcends all religion," a division bench of Justice R Sudhakar and Justice Aruna Jagadeesan has said.

Dismissing a public interest writ petition, which sought a direction to the government to prohibit "all sorts of religious activities within the precincts of government offices", the bench said an individual showing respect to his occupational tools cannot be said to offend the secular nature of the state.

"Irrespective of religion, Ayudha Puja is a reverence shown by cobblers, weavers, farmers, autorickshaw drivers, rickshaw-pullers, carpenters, shopkeepers, chartered accountants, advocates, doctors etc., to objects which they use to earn their livelihood," Justice Sudhakar, who wrote the judgment for the bench, observed.

Similarly, Saraswathi Puja is referable to showing respect to education, knowledge and the script, the judge said, adding: "The form of worship or veneration to files and records at the close of the working day preceding the Ayudha Puja or Saraswathi Puja holidays cannot be called as religious activity by the government, affecting the secular nature of the state."

The judges pointed out that Ayudha Puja and Saraswathi Puja fall on holidays and it could not be concluded that it was the state which performed these pujas at office. "In government offices, if an individual shows respect and reverence to the materials, books, files or records which are being handled by the individual, it will be referable to his individual freedom and there is nothing to show that it affects the secular nature of the state."

The petitioner, S P Muthuraman, cited a government order issued in 1993 and a circular dated April 22, 2010 to seek a ban on religious activities in government offices. In December 1993, a government order said no construction of any new structure for religious worship or prayer within the office campus or modification of any existing structure should be permitted. This was reiterated by a division bench order of the high court in March 2010. It was following the HC order that in April 2010 the government sent the circular.

Justice Sudhakar, however, pointed out that the government order and the circular related to construction and enlargement of structures within government office complexes and had nothing to do with an individual's right to offer puja for the place of work or tools. An individual's right to freedom of conscience is permitted in Article 25 of the Constitution, he said, adding: "If the relief sought for by the petition is accepted, it is likely to cause disharmony among various groups."

विश्व हिन्दू सम्पर्क



वार्षिक सदस्यता शुल्क

स्वैच्छक

आजीवन सदस्यता

5000 रु.

संरक्षक

25,000 रु.

संपर्क

-: संपादकीय कार्यालय :-

36, पिरोजा मंशन, ग्रांट रोड स्टेशन के सामने,
ग्रांट रोड (पूर्व), मुंबई-400007. (महाराष्ट्र)

Vishva Hindu Sampark

National Hindi & English Newspaper

Most Popular Monthly Buletine - 25,000 Reader

Tariff - Card

Advertisement
Rate

Front Page	15,000/-
Last Full Page	25,000/-
Full Page	20,000/-
Half Page	12,000/-
Quarter Page	6,000/-
Best compliments	1,5000/-

Card

36, Piroja Mansion,
Opp. Grant Road Station (East)
Mumbai-400007 (INDIA)
Tel. : 022-23094306

Note : Issue Cheque or Draft in the Name of "VISHVA HINDU SAMPARK" payable at Mumbai.

दुर्गा
शुभैरु...

विजय गोविंदराव काशिकर

विश्व हिन्दू परिषद विशेष संपर्क प्रमुख,
महाराष्ट्र राज्य



काशिकर वाड़ा, जुने बस स्टँड,
व्यंकोबा मुंडे रोड, इतवारी, नागपुर
मोबाईल नं. 09822220104



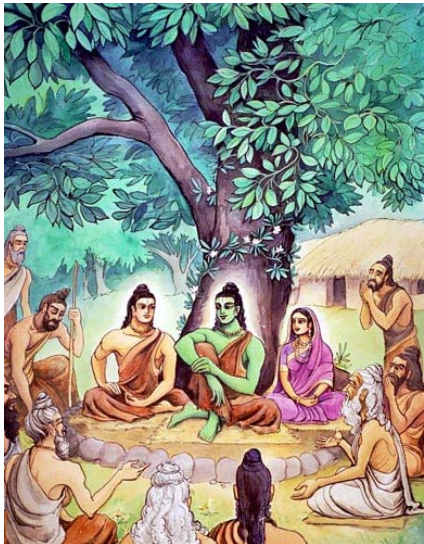
Listen, Macaulay putras and McBurger Babus

Bhagawan Shri, Ram and the Ramayana are part of Hindu history, not mythology

The Christian barbarians who ruled this country called Bhagawan Shri Ram a mythological figure and described the Holy Ramayana as a mythology. Poor guys, don't blame them!!!

In their thousands of years of beastly existence devoid of any form of culture, refinement, human values or civilization, they could not imagine a concept called Ram, and a historical epic like the Ramayana. Much later in their miserable lives, they came across a Book brought to them by evangelists from the barren desert lands of the Middle East, actually a collection of stories and fables. They were brainwashed into believing that what the Book contained was the ultimate truth. Nothing whatever existed outside the pages of the Book. It was this attitude and belief that made them firmly believe that the earth was flat, that it was the center of the

universe and that the heavenly bodies revolved around it.. And their religious body the Roman Catholic Church either crucified or tortured to death all intelligent men., men of science and



philosophers who thought independently.

And it was the barbarian invaders possessing this mind set descended upon our country, the Mother of all Civilizations. Sword in one hand and the Bible in the other, it was beyond their limited intelligence to imagine something they could not comprehend, something so divine, so sublime, something so superior to their most rudimentary religious books without an iota of philosophy or logic. These barbarians, chose to describe our great itihisas and puranas, our epics and our historical works as mythology.

It is shameful that many of our own people, mainly the pseudo half anglicized denizens of the media and academia, brainwashed by these barbarians still chose to describe 1 Bhagawan Shri Ram and the Ramayana as part of Hindu mythology, not history.

For benefit of these sons of Macaulay and for those brainwashed McBurger Babus let me place on record data

proving that Bhagawan Shri Ram is a historic figure and that The Holy Ramayan is part of Indian history, not mythology

-Editor

The story of Shri Rams' life was first narrated by Maharishi Valmiki in the Ramayana, which was written after Shri Ram was crowned as the king of Ayodhya. Maharishi Valmiki was a great astronomer as he has made sequential astronomical references on important dates related to the life of Shri Ram indicating the location of planets vis-a-vis zodiac constellations and the other stars (nakshatras).

Needless to add that similar position of planets and nakshatras is not repeated in thousands of years.

By entering the precise details of the planetary configuration of the important events in the life of Shri Ram as given in the Valmiki Ramayan in the software named "Planetarium" corresponding exact dates of these events according to the English calendar can be known.

Mr Pushkar Bhatnagar, of the Indian Revenue Service, had acquired this software from the US. It is used to predict the solar/lunar eclipses and distance and location of other planets from earth. He entered the relevant details about the planetary positions narrated by Maharishi Valmiki and obtained very interesting and convincing results, which almost determine the important dates starting from the birth of Shri Ram to the date of his coming back to Ayodhya after 14 years of exile. Maharishi Valmiki has recorded in Bal Kaand, sarga 19 and shloka eight and nine (1/18/8,9), that Shri Ram was born on ninth tithi of Chaitra month when the position of different planets vis-a-vis zodiac constellations and nakshatras (visible stars) were:

i) Sun in Aries; ii) Saturn in Libra; iii) Jupiter in Cancer; iv) Venus in Pisces; v) Mars in Capricorn; vi) Lunar month of Chaitra; vii) Ninth day after no moon; viii) Lagna as Cancer (cancer was rising in the east); ix) Moon on the Punarvasu (Gemini constellation & Pllux star); x) Day time (around noon).

This data was fed into the software. The results indicated that this was exactly the location of planets/stars in the noon of January 10, 5114 BC. Thus, Shri Ram was born on January 10, 5114 BC (7121 years back). As per the Indian calendar, it was the ninth day of Shukla Paksha in Chaitra month and the time was around 12 to 1 noontime. This is exactly the time and date when Ram Navmi is celebrated all over India.

Shri Ram was born in Ayodhya. This fact can be ascertained from several books written by Indian and foreign



authors before and after the birth of Christ - Valmiki Ramayan, Tulsī Ramayan, Kalidasas' Raghuvansam, Baudh and Jain literature, etc.

These books have narrated in great detail the location, rich architecture and beauty of Ayodhya which had many palaces and temples built all over the kingdom. Ayodhya was located on the banks of the Saryu river with Ganga and Panchal Pradesh on one side and Mithila on the other side.

Normally 7,000 years is a very long period during which earthquakes, storms, floods and foreign invasions change the course of rivers, destroy the towns/buildings and alter the territories. Therefore, the task of unearthing the facts is monumental.

The present Ayodhya has shrunk in



size and the rivers have changed their course about 40 km north/south. Shri Ram went out of Ayodhya in his childhood

(13th year as per Valmiki Ramayan) with Rishi Vishwamitra who lived in Tapovan (Sidhashram). From there he went to Mithila, King Janaks' kingdom. Here, he married Sita after breaking Shiv Dhanusha.

Researchers have gone along the route adopted by Shri Ram as narrated in the Valmiki Ramayan and found 23 places which have memorials that commemorate the events related to the life of Shri Ram. These include :

Shringi Ashram,

Ramghat, Tadka Van, Sidhashram, Gautamashram, Janakpur (now in Nepal), Sita Kund, etc.

Memorials are built for great men and not for fictitious characters.

Date of exile of Shri Ram: It is mentioned in Valmiki Ramayans' Ayodhya Kand (2/4/18) that Dashratha wanted to make Shri Ram the king because Sun, Mars and Rahu had surrounded his nakshatra and normally under such planetary configuration the king dies or becomes a victim of conspiracies.

Dashrathas' zodiac sign was Pisces and his nakshatra was Rewati.

This planetary configuration was prevailing on the January 5, 5089 BC, and it was on this day that Shri Ram left Ayodhya for 14 years of exile.

Thus, he was 25 years old at that time (5114-5089).

There are several shlokas in Valmiki Ramayan which indicate that Shri Ram was 25-years-old when he left Ayodhya for exile. Valmiki Ramayan refers to the solar eclipse at the time of war with Khardushan in later half of 13th year of Shri Rams' exile. It is also mentioned it was amavasya day and Mars was in the middle. When this data was entered, the software indicated that there was a solar eclipse on October 7, 5077 BC, (amavasya day) which could be seen from Panchvati.

The planetary configuration was also the same - Mars was in the middle, on one side were Venus and Mercury and on the other side were Sun and Saturn.

On the basis of planetary configurations described in various other chapters, the date on which Ravana was killed works out to be December 4, 5076 BC, and Shri Ram completed 14 years of exile on January 2, 5075 BC, and that day was also Navami of Shukla Paksha in Chaitra month. Thus Shri Ram had come back to Ayodhya at the age of 39 (5114-5075).

A colleague, Dr Ram Aytar, Contd. on pg. 8...

NEW
Metavision
Spectrometers



Optical Emission Spectrometer - Everyone's pride



Rapid!
Accurate!
Affordable!



The latest, most advanced and yet economical - Compact Optical Emission Spectrometer from Metal Power Analytical.

Metavision spectrometers provide low cost yet powerful and flexible solutions to your analysis needs on all metals and alloys.

It has become a must for-

- Laboratories • Production Control • Incoming Goods • Raw Material Analysis
- Finished Goods Analysis.

Factory calibrations available for-

- Ferrous Materials -Steel & Irons Including Nitrogen...
- Aluminum/Alloys - Including Phosphorus...
- Copper, Nickel, Zinc, Lead, Tin... and their alloys....

All this comes with excellent service and applications support.



METAL POWER ANALYTICAL (I) PVT. LTD
An ISO 9001:2000 Certified Company

B - 48, Raj Industrial Complex, Military Road, Marol, Andheri (E), Mumbai - 400 059, India
Tel. +91-(0)22-2920 3753, 2920 3756, 6783 0505, Fax : +91-(0)22-2925 1373
E-mail : sell@metpowerin.com • Visit us at : www.metpowerin.com

• RUGGED • RELIABLE • ACCURATE • UNBELIEVABLE ECONOMY

मुस्लिम आरक्षण रद्द करो : विहिप

क्या आप जानते हैं, आप अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी या ओपन मेरिट के हिंदू हैं तो अब देश में आपकी शिक्षा, नौकरी, व्यापार सुरक्षित नहीं? छीना जा रहा है? और भी छीन लेंगे?

22 दिसंबर 2011 को केंद्र सरकार ने ओबीसी का 27% आरक्षण छीनकर 22.5% कर दिया और छीना हुआ 4.5% मुसलमानों को दे दिया. अब यह भी घोषित किया है कि ओबीसी में से मुसलमानों को सिर्फ 4.5% नहीं, 9% देंगे.

देखो और सोचो

रमेश और रहीम दोनों को बैंक लोन चाहिए, दोनों बैंक गए

	रमेश	रहीम
लोन चाहिए	रु. 10,00,000/-	रु. 10,00,000/-
खुद भरना पड़ेगा	रु. 4,00,000/-	रु. 50,000/-
बैंक देगी	रु. 6,00,000/-	रु. 9,50,000/-
ब्याज (हर वर्ष)	रु. 13,000/-	रु. 6,000/-
% में ब्याज	रु. 13%	रु. 6%

इसमें से भी रहीम को भरने पड़ेंगे वह 50 हजार भी मायनॉरिटी (यानी मुसलमान) फाइनांस डेवलपमेंट कारपोरेशन भरेगी. ऐसे भयंकर भेदभाव से लोन लेकर रमेश कहां से पढ़ेगा, क्या व्यवसाय में टिक पाएगा?

इसलिए हिंदुओं, बात इतनी सादी नहीं! सभी जाति-बिरादरियों के हिंदुओं की रोजी रोटी छीनने के षड्यंत्र का आधार क्या?

1. देश स्वतंत्र हुआ तब 3 करोड़ मुसलमान भारत में रहे, बाकी पाकिस्तान को अपना मानकर खुशी से चले गए. भारत में रहे उन्होंने अपनी जनसंख्या बढ़ाने के लिए परिवार नियोजन और समान नागरिक कानून (जो सिर्फ एक पत्नी की अनुमति देता है) नहीं माने. मुस्लिम आबादी उन्होंने अब 15 करोड़ से ज्यादा कर ली है.
2. 15 करोड़ मुसलमानों ने अपनी वोट बैंक बना ली है.

3. मुसलमान वोट बैंक के सामने सभी नेताओं ने ऐसे घुटने टेक दिए हैं, जैसे भारत तोड़कर पाकिस्तान बनाया और ऊपर से 55 करोड़ रु. उन्हें दिए, तब टेके थे. भारत विभाजन की फिर से स्थितियां बन रही हैं.

4. मुसलमान वोट बैंक के दबाव में केंद्र सरकार ने मुसलमान और इसाइयों (क्रिश्चियन) के लिए राजेंद्र सच्चर समिति व रंगनाथ मिश्रा आयोग (कमीशन) बिठाया. उनकी रिपोर्ट 2007 में आई. इसी रंगनाथ मिश्रा आयोग के सुझावों का परिणाम है : ओबीसी का आरक्षण छीनकर उसमें से 4.5% मुसलमानों को देना (ऊपर से 9% मुसलमानों को देने की घोषणा)

इसके अलावा : मैट्रिक, प्री मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक ऐसे कुल 72,00,900 मुसलमान छात्रों को स्कालरशिप. उन्हें 3% पर लोन दे रहे हैं, जबकि हिंदू छात्र पढ़ाई लोन 13% पर लेने को मजबूर **सिर्फ मुसलमान रहते हैं ऐसे क्षेत्रों में 2400 बैंक खुलवाए.** 2007-2008 एक ही वर्ष में रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों पर अनुचित दबाव डालकर सिर्फ मुसलमानों को ही 1,43,396 करोड़ रु. लोन दिलवाए.

बैंकों से लोन के अलावा मुसलमान को मायनॉरिटी फायनांस व डेवलपमेंट कारपोरेशन बनवाकर सरकार ने करोड़ों रु. दिए, जबकि हिंदुओं, आप बिजली बिल, पानी बिल, पेट्रोल, डिजल, दाल, चावल, सब्जी महंगी ले रहे हैं और इन सब पर टैक्स भर रहे हैं. अब समझें, आपकी खून पसीने की कमाई, पढ़ाई का इतना रुपया सरकार ने कहां लुटाया? यह कारपोरेशन मुसलमान को कम ब्याज में लोन देता है. 5,87,088 मुसलमान महिलाओं को सरकार ने 3984 करोड़ रु. यूं ही दिया. जाट, गुर्जर, माली, कुनबी, मराठा, कुर्मी व अन्यजाति बिरादरियों ने हिंदू महिलाओं के विकास के लिए कुछ दिया? वे तो महंगे दूध की जगह पानी पिला रही हैं.

सभी महिलाएं 'हिंदू रोटी - शिक्षा बचाओ, महिला संघर्ष समिति' बनाओ. घर चलाना हो या बेटियों की शिक्षा नौकरी, विवाह हो. आप

हिंदू के नाते पिसती रहो और मुसलमानों की महिलाएं ऐश कर करोड़ों बच्चे पैदा कर आपके बच्चों की थाली से खाना छीनती रहें? जागो. महिला बचत गट, शिक्षक-अभिभावक संघ, किटी पार्टी, महिला मंडल इन सबमें आवाज बुलंत करो.

हमारी मांगें:-

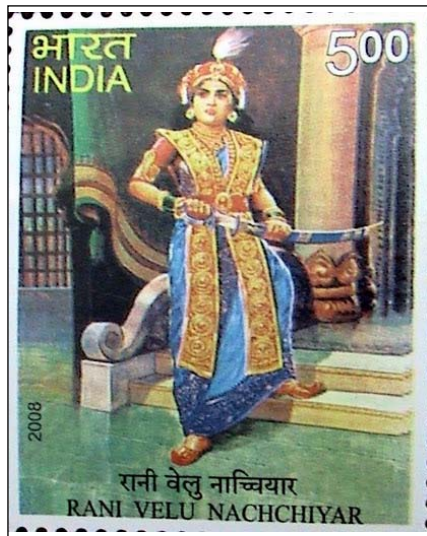
1. रंगनाथ मिश्र व सच्चर की रिपोर्ट खारिज करें.
2. ओबीसी के आरक्षण से दिया 4.5% खारिज करें और उनमें से मुसलमान, क्रिश्चियनों को आरक्षण ना देने का सरकार वचन दे
3. एससी (अनुसूचित जाति) के आरक्षण से मुसलमान और क्रिश्चियन को आरक्षण नहीं देने का सरकार वचन दे.
4. एसटी (वनवासी/अनु. जनजाति) के क्रिश्चियनों को आरक्षण देकर रखा है, वह हटा दें. इसके आगे भी मुसलमानों व क्रिश्चियनों को वनवासियों एसटी के आरक्षण ना देने का सरकार वचन दे.
5. मजहब के आधार पर आरक्षण किसी की कैटेगरी में ओपन मेरिट में नहीं देंगे यह वचन सरकार दे.
6. मंडल आयोग के समय 27% ओबीसी में घुसी तथाकथित मुसलमान जातियों को ओबीसी की सूची से तुरंत हटा दें.
7. इतना अन्याय, अत्याचार, लूट हिंदुओं पर करने पर हिंदू उठ खड़ा होगा. यह सरकार जानती है. हिंदू चूं भी ना कर पाए इसलिए सरकार लक्षित सांप्रदायिक हिंसा विरोधी कानून ला रही है. यह कानून आता है तो बुद्धिमान हिंदू छात्र को 98% और मुसलमान के बुद्धू छात्र को 40% गुण भी मिले तो भी वह केस कर सकता है. हिंदू की दुकान का अच्छा सामान मुसलमान के घटिया सामान से ज्यादा बिके तो भी हिंदू जेल में. समझे षड्यंत्र? यह जिहादी कानून सरकार वापसले और मुस्लिम आरक्षण ना जाए. ऐसी मांग विहिप ने की है. मांगें न मानने पर विहिप पूरे देश में आक्रामक तरीके से इसका विरोध करेगी. ऐसा विहिप के संयुक्त केंद्रीय मंत्री व्यंकटेश आबदेव ने कहा है.

Forgotten Hindu Revolutionaries

Veera Mangai (Veer Mata) Velunachiyar

Veera Mangai Velunachiyar was one of the queens in the 18th century in South India. She rebelled against the British Empire and fought for the freedom of India. She was born in 1730 AD to the Mannar Sellamuthu Sethupathy and to Rani Sakandhimuthal of Ramnad Kingdom. She was the only daughter of this Royal family. The Royal couple had no male heir. The royal family brought up the Princess, Velunachiyar, like Prince of Ramnad due to this reason. She was trained in the skills of using weapons and also in martial arts like Valari, stick fighting etc. She learnt horse riding and archery earlier. The Royal couple had engaged teachers to teach her many languages like French, English and Urdu. Thus this young brave Princess had excellent training in all war techniques. She was a scholar in many languages and was ready to rule the Ramnad Kingdom. She married Sivagangai Mannar Muthuvaduganathar at the age of sixteen. In the year 1772, the English invaded her kingdom. Velu Nachiyar heard that her husband Raja Muthu Vaduganathar and her daughter young Princess Gowri Nachiyar were killed in Kalaiyar Koil war.

This war was held in Kalaiyar Koil palace. British troops attacked the palace under the command of Lt.Col. Bon Jour. She was very much worried and wanted to take revenge. Dalavay Thandavaraya Pillai and Maruthu



Stamp in honour of Veera Mangai Velunachiyar

brothers sustained injuries. They promised to recapture the samasthan to punish the English. Dalavay Thandavaraya Pillai, an incredible and distinguished person was the most powerful administer in Sivagangai samasthanam.

Thandavaraya Pillai, the loyalist served (1700-1773) as Palavay and also as Pirathani under the three rulers of Sivagangai samasthanam. He was responsible for the development of Sivagangai samasthanam. At first he served the King Sasivarna Periya Udaiya Thevar during 1730-1750. Later he served under Muthu Vaduganatha Thevar, the King during 1750-1772. He

also served as *Pirathani to the queen Rani Velu Nachiyar. Here Dalavay means military chief and the Pirathani means chief minister. Pirathani was responsible for the improvement of Foreign affairs. Thus the two charges were the most important and also powerful.

Thandavaraya Pillai was the son of Kathavaraya Pillai who was an

Part - VIII

accountant and also as Karvar, (administer) in this samasthan. He rendered his service with loyalty from the beginning of this samasthanam. He administered well and helped in the development. The King Udaiya Thevar was very much pleased because of his good administration and granted him his hereditary management. It shows the significance of loyalty of Dalavay Thandavaraya Pillai. He advised Veera Mangal Velunachiar to move to different places often in order to avoid British invaders. Meanwhile Dalavay Thandavarayan Pillai wrote a letter to Sultan Hyder Ali on behalf of Velu Nachiyar to provide 5000 infantry and 5000 cavalry to defeat the British army. But unfortunately he passed away due to old age. She decided to meet Hyder Ali after the demise of Dalavay

Thandavarayan Pillai at Mysore with the help of his son. She could

explain in detail in Urdu all her problems with East India Company. She explained him her strong opposition of British regime. Hyder Ali was very much pleased and promised to help her in this conflict... He accepted her request with sympathy and provided the necessary military assistance. He ordered Syed Karki of Dindigul fort gladar to provide the required military equipments to Rani Velu Nachiyar. He released 5000 infantry and 5000 cavalry to Rani Velu Nachiyar immediately. Her troops advanced to Sivaganga with the help provided by Maruthu brothers. The Nawab of Arcot put so many hindrances to avoid the advancement of Rani Velu Nachiyar's combined troops. The queen and Maruthu brothers overcame all hurdles. They geared up the troops and entered Sivaganga. She defeated the Nawab of Arcot and took him as a captivator. She re-captured her Sivaganga samasthan with the help of Hyder Ali and crowned as queen of the Sivagangai seemai. Velu Nachiyar is only the first queen who raised the revolt against the British emperor. According to historians, Prof. Sanjeevi mentioned in his 'Maruthiruvur' book that 'the bravery queen Velu Nachiyar raised revolt against English emperor and fought for the freedom of India 85 years before Jhansi Rani's freedom struggle in North..

(Source Senthil Rajan senthilrajan.u@gmail.com)

Contd. from pg. 5... researched on places visited by Shri Ram during his exile, and sequentially moved to the places stated as visited by Shri Ram in the Valmiki Ramayan, starting from Ayodhya he went right upto Rameshwaram.

He found 195 places which still have the memorials connected to the events narrated in the Ramayana relating to the life of Shri Ram and Sita These include Tamsa Tal (Mandah), Shringverpur (Singraur), Bhardwaj Ashram (situated near Allahabad), Atri Ashram, Markandaya Ashram (Markundi), Chitrakoot, Pamakuti (on banks of Godavari), Panchvati, Sita Sarovar, Ram Kund in Triambakeswar near Nasik, Shabari Ashram, Kishkindha (village Annagorai), Dhanushkoti and Rameshwar temple.

In Valmiki Ramayan it is mentioned that Shri Rams' army constructed a bridge over the sea between Rameshwaram and Lanka.

After crossing this bridge, Shri Rams' army had defeated Ravana. Recently,

NASA put pictures on the Internet of a man-made bridge, the ruins of which are lying submerged in Palk Strait between Rameshwaram and Sri Lanka.

Recently the Sri Lankan Government had expressed the desire to develop Sita Vatika as a tourist spot. Sri Lankans believe this was Ashok Vatika where Ravana had kept Sita as a prisoner (in 5076 BC).

Indian history has recorded that Shri Ram belonged to the Suryavansh and he was the 64th ruler of this dynasty. The names and other relevant particulars of previous 63 kings are listed in Ayodhya ka Etiahas written about 80 years ago by Rai Bahadur Sita Ram. Professor Subhash Kak of Lousiana University, in his book, The Astronomical Code of the Rig Veda, has also listed 63 ancestors of Shri Ram who ruled over Ayodhya.

Sri Rams' ancestors have been traced out as: Shri Ram, King Dashratha, King Aja, King Raghu, King Dilip and so on. From Kashmir to Kanyakumari and from Bengal to Gujarat, everywhere people believe in the reality of Shri Rams' existence, particularly in the tribal areas

of Himachal, Rajasthan, Madhya Pradesh and the North-East.

Most of the festivals celebrated in these areas revolve around the events in the life of Shri Ram and Shri Krishna. The events and places related to the life of Shri Ram and Sita are true cultural and social heritage of every Indian irrespective of caste and creed. Therefore, it is common heritage.

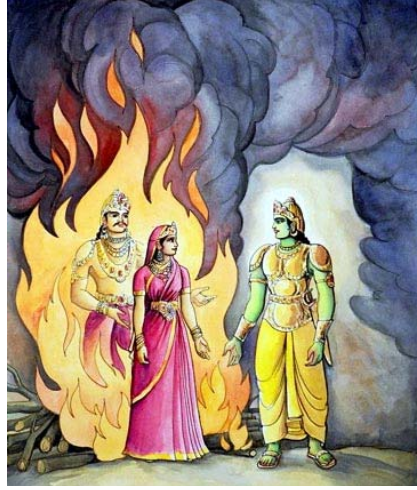
After all, Shri Ram belonged to the period when Prophet Mohammed or Jesus Christ were not born and Muslim or Christian faiths were unknown to the world.

The words Hindu (resident of Hindustan) and Indian (resident of India) were synonymous. India was also known as Bharat (land of knowledge) and



Aryavarta (where Aryans live) and Hindustan (land of "Hindus" - derived from word Indus). During Ram Rajya, the evils of caste system based on birth were non-existent. In fact, Maharishi Valmiki is stated to be of Shudra class (scheduled caste), still Sita lived with him as his adopted daughter after she was banished from Ayodhya.

Luv and Kush grew in his ashram as his disciples. We need to be proud of the fact that Valmiki was perhaps the first great astronomer and that his study of planetary configurations has stood the test of times. Even the latest computer softwares have corroborated his



astronomical calculations, which proves that he did not commit any error.

Shabri is stated to be belonging to the Bheel tribe. Shri Rams' army, which succeeded in defeating Ravana, was formed by various tribals from Central and South India.

The facts, events and all other details relating to the life of Shri Ram are the common heritage of all the Indians including scheduled castes, scheduled tribes, Muslims, Christians, etc.

Prophet Mohammad was born 1,400 years ago.

Jesus Christ was born 2,000 years back.

Gautam Buddha was born 2,600 years back,

whereas Ram was born 7,000 years back.

Hence, discovering the details relating to Shri Rams' life would be lot more difficult as destruction caused by floods, earthquakes and invasions etc., would be far greater. But, should that stop our

quest for learning more about our cultural heritage?

As Indians, let us all take pride in the fact that the Indian civilisation is the most ancient civilisation today. It is certainly more than 10,000 years old. Therefore, let us reject the story of Aryan invasion in India in 1,500 BC as motivated implantation.

In fact Max Mueller, who was the creator of this theory had himself rejected it.

Let us admit that during the British Rule, we were educated in the schools based on Macaulay school of thinking which believed that everything Indian was inferior and that entire "Indian literature was not worth even one book rack in England." If there were similarities in certain features of Indian people and people from Central Europe, then automatic inference drawn was that the Aryans coming from Europe invaded India and settled here.

No one dared of thinking in any other way. Therefore, there is urgency for the historians and all other intellectuals to stop reducing Indian history to myth.

There is need to gather, dig out, search, unearth and analyse all the evidences, which would throw more light on ancient Indian civilisation and culture.

There is need for the print and the electronic media to take note of these facts and create atmosphere which would motivate our young and educated youth to carry out research and unearth true facts about the ancient Indian civilisation and wisdom and would also encourage them to put across the results of their research before the people fearlessly and with a sense of pride! ■■■

Indo-Russian Christian conspiracy...

Contd. from pg. 1... Even after hundred years of barbaric Christian rule, the panderers of the Book could not find many takers.

Absolutely overawed and in fact frightened of the greatness, depth and profundity of Hindu philosophy as reflected in the Bhagavad Gita, these Bearers of the Cross find it a real challenge to their limited, outdated myopic view and ideas about religion.

Turning of the world into a global village with unlimited access to unlimited knowledge had made it possible for people around the world to access knowledge from every corner. Thus, knowledge of Hindu philosophy, culture way of life and world view as contained in the Bhagavad Gita and other Hindu texts are like strobe lights that are dimming and putting out of existence the limited, pedestrian, teachings of the Crusaders and the jihadis.

Hindu philosophy is like the rising

sun that dispels ignorance. It is the bright sun that scares away the devils and beasts that roam freely in ignorance and darkness, that preach bondage, that have no relevance in modern times and that have not progressed with the growth and development of human society.

Unlike the dogmas preached by the Crusaders that are frozen in time, and have have not evolved through the ages, Hindu philosophy, particularly the Bhagavad Gita is relevant for all time, every age, every society, every class, every region and every state of evolution and mind.

Just like animals react in fear and aggression at the advent of light, so are the Crusaders doing now. They are using all their resources, their influence with the Sonia government and their foreign masters' support to make the Bhagavad Gita extinct. But can the sun ever become extinct.? ■■■



Product of Spain



EURO
Quality is our Mission



KOTHARI
GROUP
Tandurusti ka Jhanda

World's Finest Olive Oil



EURO
NutriPlus
Extra Virgin Olive Oil



EURO
HealthPlus
Refined Cooking Olive Oil



Zero Cholesterol



Heart Friendly Cooking Oil



Zero Transfat

LOWERS THE RISK OF

- * HEART DISEASE
- * HIGH CHOLESTROL
- * BLOOD PRESSURE
- * DIABETIES
- * BREAST, SKIN & COLON CANCER

Usage of Olive Oil is Recommended By U.S.F.D.A & W.H.O.



EURO
NaturePlus
Massage Olive Oil

Olive Oil

MUFA 82%

PUFA 8%

SFA 10%

RICH SOURCES OF NATURAL ANTI-OXIDANTS, CALCIUM, IRON & VITAMIN A, D, E & K.



Skin Friendly Massage Oil



"TO GET RICH NEVER RISK YOUR HEALTH"

CALL FOR FREE HOME DELIVERY(MUMBAI)
022-40221127 / 22071127 / 9146693191 / 9146693192.
Imported & Marketed By Euro Products, Mumbai (India).

जारीकर्ता
प्रकाश शर्मा प्रवक्ता,
विश्व हिन्दू परिषद

जय श्रीराम।

आशा है आप स्वस्थ व प्रसन्न हैं। दिनांक 7 जुलाई, 2011 को दिल्ली में केन्द्रीय मार्गदर्शक मण्डल की बैठक सम्पन्न हुई। अत्यन्त प्रसन्नता का समाचार है कि बैठक में लगभग प्रत्येक प्रान्त के प्रमुख सन्त-महापुरुष उपस्थित रहे। उपस्थित पूज्य सन्तों की कुल संख्या 125 के लगभग थी। इसके अतिरिक्त सभी प्रान्तों के धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख (संख्या लगभग 50) तथा विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक में तीन विषयों पर चर्चा हुई और प्रस्ताव पारित हुए। बैठक में उपस्थित रहे कुछ प्रमुख सन्तों की सूची तथा पारित किए गए प्रस्ताव नीचे दिए गए हैं। सर्वाधिक चर्चा प्रस्ताव क्रमांक 1 पर हुई। प्रस्ताव क्रमांक 1 प्रस्तावित विधेयक के विरुद्ध है, जिस विधेयक को एक संविधानेतर समिति की ओर से सरकार को भेजा गया है। मूलरूप में यह विधेयक हिन्दू समाज के बीच विभाजन पैदा करेगा, साथ ही साथ हिन्दू समाज व हिन्दू संस्थाओं को प्रताड़ित करने का एक हथियार बनेगा, साथ ही साथ यदि यह कानून पास हुआ तो भारतवर्ष में एक ही अपराध के लिए दो कानून लागू होंगे, एक हिन्दू के लिए और दूसरा मुस्लिम व ईसाइयों के लिए। एक ही अपराध होने पर हिन्दू अपराधी माना जाएगा परन्तु मुस्लिम अथवा ईसाई को अपराधी नहीं माना जाएगा। प्रस्ताव क्रमांक 1 पढ़कर सभी बातें आपकी ध्यान में आ जाएंगी। यह प्रस्तावित विधेयक वेबसाइट www.hinduparishad.org पर उपलब्ध है।

मार्गदर्शक मण्डल ने निर्णय दिया है कि आगामी 24 अथवा 25 जुलाई, 2011 को इस विधेयक के विरुद्ध ग्राम स्तर से प्रान्त स्तर तक अधिक से अधिक स्थानों पर साधु-सन्तों के नेतृत्व में जुलूस, धरना-प्रदर्शन किए जाएं, विधेयक की प्रतियाँ जलाना और स्थानीय उपस्थित सर्वोच्च प्रशासनिक सरकारी अधिकारी को ज्ञापन भी दिया जाए।

आप इन तीनों प्रस्तावों एवं आगामी कार्यक्रम को स्थानीय स्तर पर प्रकाशित होने वाली पत्र-पत्रिकाओं में छपवाने का प्रयास करें। इस विधेयक का व्यापक विरोध होना चाहिए। सम्पादकों को निवेदन करें कि वे इस विधेयक पर अपनी पत्र-पत्रिकाओं में लेख लिखें। अपने क्षेत्र के राजनेताओं व सांसदों से सन्त-महात्मा जाकर मिलें, आग्रह करें कि यह विधेयक संसद में प्रस्तुत ही न हो पाए। यदि प्रस्तुत किया जाता है तो इतना प्रबल विरोध हो कि विधेयक अपनी मौत मर जाए।

(चम्पतराय)

संयुक्त महामंत्री

?

केन्द्रीय मार्गदर्शक मण्डल उपवेशन

आषाढ शुक्ल सप्तमी सम्बत् 2068 विक्रमी (7 जुलाई 2011)

उदासीन आश्रम, आरामबाग, पहाड़गंज, नई दिल्ली

मार्गदर्शक मण्डल उपवेशन में पधारे कुछ प्रमुख पूज्य सन्तों की सूची-

01. ज्योतिषीठाधीश्वर ज०गु० शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती जी महाराज-प्रयागराज
02. जगद्गुरु मध्वाचार्य पूज्य स्वामी विश्वेश्वरीथ जी महाराज - उडुप्पी - कर्नाटक
03. पूज्य स्वामी विवेकानन्द जी महाराज - गुरुकुल प्रभात आश्रम मेरठ उत्तर प्रदेश
04. म०म० पूज्य स्वामी राघवानन्द जी महाराज - उदासीन आश्रम दिल्ली
05. म०म० स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरि जी महाराज - रूड़की उत्तराखण्ड
06. म०म० स्वामी अखिलेश्वरानन्द जी महाराज - जबलपुर मध्य प्रदेश
07. आचार्य धर्मेन्द्र जी महाराज - जयपुर राजस्थान
08. स्वामी राघवाचार्य जी महाराज - रैवासा पीठ राजस्थान
09. महंत नवलकिशोर दास जी महाराज - दिल्ली
10. स्वामी गोविन्ददेव गिरि जी महाराज - हरिद्वार
11. स्वामी चिन्मयानन्द जी महाराज - परमार्थ आश्रम हरिद्वार
12. ज०गु० रामानन्दाचार्य स्वामी रामाधाराचार्य जी महाराज - हरिद्वार
13. स्वामी वियोगानन्द जी महाराज - ऋषिकेश उत्तराखण्ड
14. साध्वी पूर्णप्रज्ञा माता जी - रायवाला देहरादून उत्तराखण्ड
15. महंत सुरजनाथ जी महाराज - हिमाचल
16. महंत रामस्वरूप दास जी महाराज - जम्मू
17. महंत ब्रह्मा जी महाराज - जम्मू
18. साध्वी ऋहाम्भरा जी - वृन्दावन
19. महंत फूलडोलदास जी महाराज - वृन्दावन
20. स्वामी चूड़ामणि जी महाराज - वृन्दावन
21. स्वामी ईश्वर चैतन्य जी महाराज - वृन्दावन
22. स्वामी परमात्मानन्द जी महाराज, महामंत्री आचार्यसभा - राजकोट
23. म०म० स्वामी विष्णुपुरी जी महाराज - कोलकाता
24. स्वामी तेजसानन्द जी ब्रह्मचारी जी महाराज - बंगाल
25. स्वामी संग्राम जी महाराज - आन्ध्र प्रदेश
26. पू० स्वामी विमलानन्द जी महाराज - केरल
27. स्वामी राघवानन्द जी- तमिलनाडु
28. स्वामी आत्मानन्द जी -सेलम- तमिलनाडु

29. पूज्य गोपाल स्वामी जी महाराज - सच्चा आश्रम अरैल, प्रयागराज
30. ज०गु० शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द जी महाराज - सुमेरूपीठ काशी
31. नामधारी जसवीर जी महाराज - पंजाब
32. डॉ० रामबिलास दास वेदान्ती जी महाराज - अयोध्या
33. महंत सुरेशदास जी महाराज - दिगम्बर अखाड़ा अयोध्या
34. महंत कौशलकिशोर दास जी महाराज - बड़े भक्तमाल अयोध्या
35. महंत कमलनयनदास जी महाराज - मणिराम छावनी अयोध्या
36. महंत सियाकिशोरी शरण जी महाराज - गोलाघाट अयोध्या
37. महंत करुणानिधान शरण जी महाराज - झुनकीघाट अयोध्या
38. पूज्य नवतम स्वामी नारायण सम्प्रदाय - बड़ताल, गुजरात
39. पू० महंत कन्हैयादास जी, अयोध्या
40. पू० महंत रमेशदास जी, दातारपुर, पंजाब
41. पू० मान महंत जगन्नाथदास जी, मटियानी, जनकपुर, नेपाल
42. पू० जितेन्द्रनाथ जी, महाराष्ट्र
43. पू० नारायणगिरि जी, गाजियाबाद
44. पू० ज्ञानानन्द जी, वृन्दावन
45. पू० अनुभूतानन्द जी, दिल्ली
46. पू० अमृतराम जी, जोधपुर
47. पू० स्वामी रामानन्द जी, धर्मपुरी, तमिलनाडु
48. पू० स्वामी सुन्दरमूर्ति ताम्बिरन, तमिलनाडु
49. पू० स्वामी कुमारगुरु, कोमरमठ, गणपति, कोयम्बटूर
50. पू० रामकृष्ण आनन्दगुरु, आन्ध्र प्रदेश
51. पू० वृत्तधर रामानुज जीयर स्वामी, हैदराबाद

